दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें:9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 110 मुरादाबाद, 08 August 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बुनकरों को प्रोत्साहित करने पहुंचे PM मोदी, कहा- स्वदेशी वस्तुओं को लेकर देश में आई एक नई क्रांति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को नई दिल्ली में प्रगति मैदान के भारत मंडपम में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में भाग लेने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में खादी के उत्पादन में तीन गुना से अधिक की वृद्धि हुई है और खादी के कपड़ों की बिक्री भी पांच गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में खादी के कपड़ों की मांग बढ़ रही है। भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण छोड़ो विपक्षी दलों के गठबंधन 'ढ्ढ.ह्ल.ष्ठ.ढ्ढ.' पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश अब एक स्वर में भ्रष्टाचार, वंशवाद की राजनीति और तुष्टिकरण जैसी बुराइयों से कह रहा है भारत छोड़ो। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद वस्त्र उद्योग (खादी) को मजबूत करने पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, जो पिछली सदी में इतना मजबूत था। आलम यह था कि इसे मरने के लिए छोड़ दिया गया। खादी पहनने वाले लोगों को हीन भावना से देखा जाता था। साल 2014 से हमारी सरकार इस स्थिति और सोच को बदलने में जुटी है। पीएम ने कहा कि मैंने लोगों से खादी का कोई न कोई सामान खरीदने का निवेदन किया था। इसका नतीजा जो निकला उसके हम सभी साक्षी हैं। देश में खादी की बढ़ती लोकप्रियता पर कहा कि इसकी बिक्री अब बढ़कर 1.30 लाख करोड़ रुपये हो गई है जो 2014 से पहले करीब 25,000-30,000 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि भारत के हथकरघा, खादी, कपड़ा क्षेत्र को विश्व गुरु बनाया जाए। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में भारत मंडप में प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को लेकर देश में एक नई क्रांति आई है। उन्होंने देशवासियों से आने वाले त्योहारों में स्थानीय उत्पादों को और बढ़ावा देने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 'नव-मध्यम वर्ग' का उदय हो रहा है, जो कपड़ा कंपनियों को बड़ा अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल के माध्यम से विभिन्न जिलों में बने अनूठे उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। गुजरात के 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की तरह पूरे देश में 'एकता मॉल' स्थापित किए जा रहे हैं। मोदी ने कपड़ा व फैशन उद्योग से अपना दायरा बढ़ाने और भारत को दुनिया की तीन शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के लिए महत्वपूर्ण रूप से योगदान देने का भी आह्वान किया। बता दें, भारत सरकार साल 2015 से हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाती है ताकि बुनकरों और शिल्पकारों को महत्त्व दिया जा सके। इससे पहले प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा था कि यह %वोकल फॉर लोकल% की भावना के तहत स्थानीय वस्त्रों और हथकरघा को लोकप्रिय बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का अवसर है।

ई-पोर्टल की भी होगी शुरुआत

बता दें, कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री एक ई-पोर्टल की शुरुआत भी करेंगे। वस्त्र और शिल्प से जुड़ी इस पोर्टल को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) ने तैयार किया है। कार्यक्रम में कपड़ा और एमएसएमई क्षेत्रों के 3000 से अधिक हथकरघा, बुनकर, कारीगर और हितधारक भाग लेंगे।

विभिन्न राज्य हथकरघा विभागों को एक साथ लाएगी यह पहल

वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह पोर्टल देश के सभी हथकरघा समूहों, निफ्ट परिसरों, बुनकर सेवा केंद्रों, भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान परिसरों, राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद, केवीआईसी संस्थानों और विभिन्न राज्य हथकरघा विभागों को एक साथ लाएगा।

हमेशा करते है शिल्पकारों को प्रोत्साहन

पीएम हमेशा से देश की कलात्मकता और शिल्प कौशल की समृद्ध परंपरा को जीवित रखने वाले कारीगरों और शिल्पकारों को प्रोत्साहन और नीतिगत समर्थन देने के दृढ़ समर्थक रहे हैं। इसी के तहत राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री एक ई-पोर्टल की शुरुआत भी करेंगे। वस्त्र और शिल्प से जुड़ी इस पोर्टल को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान ने तैयार किया है। कार्यक्रम में कपड़ा और एमएसएमई क्षेत्रों के 3000 से अधिक बुनकर, कारीगर और हितधारक भाग लेंगे।

मणिपुर हिंसा पर अखिलेश ने सीएम योगी को घेरा, बोले - बयान देकर देश की आवाज बनें, हम समर्थन करेंगे

सपा अध्यक्ष व यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी को मणिपुर हिंसा पर बयान देकर देश की आवाज बन जाना चाहिए और हम भी इस मुद्दे पर उनका समर्थन करेंगे।यूपी में सोमवार से विधानमंडल का मानसून सत्र शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन कार्यवाही हंगामे के साथ शुरू हुई। सपा नेताओं ने मणिपुर हिंसा को लेकर यूपी विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। इसे लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि आज मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई जघन्य घटना पर पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। हम आप अमेरिका-यूरोप निवेश लाने के लिए गए। वहां पर इसकी चर्चा हो रही है। अब इसकी चर्चा यूपी विधानसभा में भी करवाई जाए। उन्होंने मांग की कि मणिपुर हिंसा पर यूपी विधानसभा में निंदा प्रस्ताव लाया जाए और नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बयान देना चाहिए। अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज सकते हुए कहा कि वो भाजपा के मुख्यमंत्री हैं। मैं उनकी मजबूरी समझ सकता हूं। मणिपुर हिंसा पर बोलकर वो देश की आवाज बन जाएं। हम भी उनका समर्थन करेंगे। इस पर सदन में हंगामा होने लगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने स्थिति को संभालते हुए कहा कि हम दूसरे राज्यों की यहां पर चर्चा नहीं कर सकते। नहीं तो कल कोई कहेगा कि बंगाल में हिंसा की या केरल की किसी घटना पर चर्चा हो। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों से अपने क्षेत्रों से जुड़े सवालों को उठाने की अपील की।

मुख्यमंत्री बोले, हम स्वस्थ चर्चा के लिए तैयार

यूपी विधानमंडल सत्र की कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश के समग्र विकास एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्रवाई में स्वस्थ चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सर्वदलीय नेताओं की बैठक में सरकार की ओर से सार्थक चर्चा के लिए आवाह्न किया गया। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे में सदन में एक स्वस्थ चर्चा के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में सदन को सार्थक चर्चा का विषय बनाना चाहिये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने पिछले 6 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। इन 6 वर्षों के दौरान प्रदेश के परसेप्शन को बदलकर नौजवानों, नागरिकों के सामने कुत्सित राजनीति के कारणों से जो उनके सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था, उस पहचान के संकट से मुक्त करते हुए प्रदेश को देश के एक प्रमुख राज्य के रूप में स्थापित करने में पूरी सफलता प्राप्त हुई है। एक तरफ जहां इसे आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के साथ प्रति व्यक्ति आय को भी दोगुना करने में सफलता प्राप्त हुई है।

Bjp MP Ramshankar Katheria को बड़ी राहत, बच गई सांसदी, दो साल की सजा- जुर्माना पर रोक, 11 सितंबर को अगली सुनवाई

आगरा- पूर्व केंद्रीय मंत्री व इटावा से सांसद राम शंकर कठेरिया को सजा के मामले में दाखिल अपील को सत्र न्यायालय ने स्वीकृत कर लिया। विशेष मजिस्ट्रेट एमपी/एमएलए कोर्ट द्वारा शनिवार को सुनाई गई दो वर्ष की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माने को स्थगित कर दिया है। मामले में सुनवाई के लिए जिला जज ने 11 सितंबर की तिथि तय की है। **Bjp MP Ramshankar Katheria** पूर्व केंद्रीय मंत्री व इटावा से सांसद राम शंकर कठेरिया की सजा और जुर्माना पर रोक। नवंबर 2011 में टोरेंट पावर के मैनेजर के साथ मारपीट और बलवे में सुनाई गई थी दो वर्ष की सजा। भाजपा सांसद के अधिवक्ताओं की ओर से सजा को लेकर सत्र न्यायालय में दाखिल की गई थी अपील। 11 सितंबर को मामले में होगी अगली सुनवाई ये था मामला- नवंबर 2016 में साकेत माल स्थित टोरेंट के कार्यालय में मैनेजर से मारपीट और बलवे के आरोप में आगरा के तत्कालीन सांसद (वर्तमान में इटावा) राम शंकर कठेरिया के विरुद्ध हरीपर्वत थाने में अभियोग दर्ज किया गया था। मामले में पुलिस ने राम शंकर कठेरिया के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय मे दाखिल किया था।

विशेष मजिस्ट्रेट एमपी/एमएलए कोर्ट ने उन्हें बलवा और मारपीट को दोषी माना था। कोर्ट ने सांसद को वर्ष की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया था। सांसद के अधिवक्ताओं की ओर से सजा के विरुद्ध जिला जज की अदालत में अपील दाखिल की गई थी। जिस पर दोपहर बाद सुनवाई के बाद अपील को स्वीकृत करते हुए सत्र न्यायालय ने सजा और जुर्माना स्थगित कर दिया। मामले में अगली सुनवाई अब 11 सितंबर को नियत की गई है।

बरेली में हादसे के बाद बवाल: वाहन को टक्कर लगने से गुस्साए कांवड़ियों ने किया पथराव, ट्रक के शीशे तोड़े

बरेली के रिठौरा क्षेत्र में सोमवार तड़के सड़क किनारे खड़े कांवड़ियों के वाहन को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे दो कांवड़िये घायल हो गए। घटना से आक्रोशित कांवड़ियों ने ट्रक को रोक लिया और बवाल कर दिया। ट्रक पर पथराव कर उसके शीशे तोड़ दिए। करीब पांच घंटे तक हंगामा चला। पुलिस ने समझा-बुझाकर कांवड़ियों को मनाया। रिठौरा क्षेत्र में सोमवार तड़के वाहन को टक्कर लगने से गुस्साए कांवड़ियों ने बवाल कर दिया। पीलीभीत हाईवे पर जाम लगाकर पथराव किया। ट्रक के शीशे तोड़े डाले। रिठौरा क्षेत्र में पीलीभीत हाईवे पर कांवड़ियों का डीजे लदा वाहन खड़ा था। सोमवार तड़के उनके वाहन को भूसे से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे दो कांवड़िये घायल हो गए थे। गुस्साए कांवड़ियों ने पीलीभीत हाईवे पर जाम लगा दिया। कांवड़ियों ने ट्रक पर पत्थरबाजी कर दी। ट्रक के शीशे तोड़ डाले। ट्रक चालक को पीट दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जैसे तैसे मामला शांत किया। इसके बाद कांवड़िये जलाभिषेक के लिए रवाना हुए। घटना के बाद करीब पांच घंटे तक हाईवे पर हंगामा होता रहा। इससे जाम की स्थिति भी बन गई थी।

संपादकीय Editorial

Rahul Gandhi's MP

The Supreme Court has stayed the sentence of Congress leader Rahul Gandhi in the 'Modi defamation case'. Rejecting the decisions of the lower court and the High Court, the apex court has asked what are the reasons and grounds for awarding the maximum sentence of 2 years in the context of defamation? Had he been sentenced to even a day less, Rahul Gandhi's MP would not have been cancelled. It is not just a question of membership of an MP, but a matter of taking away the representation of an area. There is a question of disrespecting the voting rights of the lakhs of people of the parliamentary constituency who had voted and elected him as an MP, hence there is a constitutional concern as well. The Supreme Court, as a public representative, has also advised Rahul Gandhi to make statements from the public forum after thinking carefully, because the effect of the statements of MPs is widespread. Due to this, the public system can be unbalanced and any person, caste, community, organization is also insulted. One's fundamental and constitutional rights are also violated. However, Congress leaders have termed the Supreme Court's decision as the victory of truth, justice, constitution and democracy. From Congress President Mallikarjun Kharge, former President Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi Vadra to party spokespersons have made similar comments. Now the entire Congress including Rahul should be convinced that the constitution, democracy and judiciary are still alive and effective in the country. However, Rahul Gandhi appeared somewhat extra restrained, while some spokespersons even reached the level of 'dictators'.

Of course, these are moments of glee and celebration for the Congress. Rahul's parliament was not only terminated, but he would have been 'disqualified' for election for 8 years. Now he will try to run the opposition alliance forward with new enthusiasm and will keep his leadership claim alive by contesting the 2024 elections. From now on, considering him as the captain of 'India' and the 'natural choice' for the post of Prime Minister is 'immature politics'. Let us remind you that on April 13, 2019, Rahul Gandhi raised the question in an election rally in Karnataka – 'Why are all thieves with the surname Modi?' Actually his target was Prime Minister Modi, against whom the Congress had launched a propaganda campaign. It was – 'Chowkidar Chor Hai.' However, that case of criminal defamation is still in the court. The apex court has only stayed the sentence. Thirteen other criminal cases against Rahul Gandhi are also pending before the court. He is out on bail in an alleged scam. The Supreme Court has stayed the maximum punishment in view of constitutional concerns. It is obvious that now his MP will be restored. In that context, Adhir Ranjan Chowdhary, leader of the Congress Parliamentary Party in the Lok Sabha, has submitted the copy of the court order and the letter requesting for the reinstatement of the MP to the Lok Sabha Secretariat. There is a possibility that Speaker Om Birla may take a decision after studying the papers on Monday. The Congress is very keen that Rahul Gandhi can definitely speak and expose the Modi government in the discussion on the no-confidence motion on Tuesday-Wednesday, August 8-9. It is up to the discretion of the Speaker. After Rahul becomes active as an MP, the attitude and equation of politics will also change. It is also 'over-zealous' to consider the 2024 fight as Prime Minister Modi versus Rahul, as Rahul Gandhi was the Congress President in 2019, when the party's 52 MPs could win in the general elections. However, Rahul Gandhi should be in the Lok Sabha.

Efforts to bring out the truth, archaeological survey of Gyanvapi can reveal evidence like Ayodhya

It can be clearly seen in the Gyanvapi campus that a mosque was built here by demolishing a temple. It also has many historical documents which were written not only by the people of the country but also from abroad. There are also some such documents which were written by Aurangzeb's close friends and in which it has been said that this Mughal ruler had issued an order to demolish the Kashi Vishwanath temple. The decision given by the Supreme Court regarding this is going to be helpful in bringing out the truth. After this decision, it would be good if the Muslim side realizes that it is unnecessarily trying to turn away from the truth by knocking on the doors of the courts. The question raised by the Supreme Court in its decision that what is the problem in bringing out the truth through the survey, the Muslim side should introspect in a watery manner. He should know what the consequences of his attempt to turn away from the truth in the Ayodhya case were similar. was constructed. All its historical documents are also available, which were written not only by the people of the country but also by people from abroad. There are also some such documents which were written by Aurangzeb's close ones and in which it has been said that this Mughal ruler had issued an order to demolish the Kashi Vishwanath temple. Now that the Supreme Court has made its stand clear on collecting scientific evidence from the Gyanvapi complex, the Muslim side should refrain from making the same mistake it did in the Ayodhya case. It would be appropriate to try to resolve this dispute in the same way as Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath said a few days ago that the task of rectifying the mistakes of history is necessary and for this the Muslim community itself should come forward. . Some Muslim leaders are also of the same opinion, but the people and political parties trying to mislead them do not want to allow such matters to be resolved amicably. Since independence, the vote bank politics of Muslim appeasement has only created hurdles in resolving such matters through conciliation and conciliation. The archaeological survey of Gyanvapi may reveal evidence similar to that found in Ayodhya. Trying to bring out the truth of Gyanvapi is not a matter of uprooting the dead, but an initiative to correct the mistake of history, belatedly. This decision of the Supreme Court underlines that the Dharmasthala law is not a hindrance in revealing the truth in cases like Gyanvapi. It cannot be ignored that a case like Gyanvapi is not an isolated one. Nothing is going to be gained by turning away from the truth in these matters, as it is a fact that foreign invaders caused massive temple destruction in India. Such places which clearly indicate that a mosque was built by demolishing a temple, they gnaw at the soul of the Hindu society.

Yeimran: What happened to what?

There is nothing shocking in the arrest of former Pakistan Prime Minister Imran Khan in the Toshakhana case. There is nothing shocking in the arrest of former Pakistan Prime Minister Imran Khan in the Toshakhana case. Even before this, he was arrested in the Abdul Qadir Trust scam. Then there was chaos in Pakistan and Imran's supporters had created uproar in the country and people had damaged government properties while also targeting military bases, then Imran escaped after getting bail from the higher courts. In Pakistan, from time to time, former Prime Ministers have been under attack. Zulfikar Ali Bhutto was hanged. Former Prime Minister Benazir Bhutto was also jailed for corruption, later she lived in exile for 7 years. He was assassinated in a suicide attack in 2007 after his return to the country. Be it former Prime Minister Nawaz Sharif or Yousuf Raza Geelani or even Shahid Thakan Abbasi have gone to jail on the charges of corruption. The current Prime Minister Shahbaz Sharif has also been arrested in the money laundering case and after about 7 months he was released from Kot Lakhpat Jail in Lahore. Pakistan's destiny has been that it has been a victim of the corruption of the rulers and today Pakistan is in front of the whole world as a failed nation. Imran Khan will not be able to contest elections for five years after the court sentenced him to three years. However, he has challenged the conviction in the High Court and has several legal options available to him. It is in the trough of the future whether his game will be over in the politics of Pakistan or not. Cricketer-turned-politician Imran though has the guts to play till the last over but it seems that this time it was his own bat that touched the wicket. The story of Imran Khan is also similar from pavilion to pitch and from pitch to field. There is no doubt that he has delivered such sixes to his political opponents which he can never forget. Imran Khan's entry into politics was not a sudden event. Waited and worked hard for many years for this. It is also known to all that his election was less and army selection was more. When Imran became the Prime Minister of Pakistan in 2018, he showed dreams of Naya Pakistan and Riyasat-e-Madina. At that time it seemed that winds of good changes would come in the neighboring country. Pakistan will come out from the clutches of terrorism, religious violence and corruption and come on the path of democracy. Imran Khan also made people feel happy by adding flavor of new Pakistan and Riyasat-e-Madina in his speeches, but people's happiness gradually ended. The whole world knows that Pakistan has always been a half-baked democracy and the army has time and again trampled democracy under its boots. Confrontation with the army started as soon as Imran was in power. Imran tried to free the post of PM from the influence of the army, so he clashed with the army. Imran Khan was accused that he did not want to extend the term of former Pakistan Army Chief Qamar Javed Bajwa and he kept trying to avoid it. Apart from this, he also postponed the appointment of Bajwa's favorite General Nadeem Anjum to the post of Chief of ISI. It was these incidents that kept him at loggerheads with the army. Last year, when the opposition tried to remove him through a no-confidence motion, the army called it a foreign conspiracy and blamed the US behind it. This was a very difficult situation for the Pakistani army and rulers who were dependent on America for many things. The situation was such that the Pakistan Army had to give an explanation for this. Regarding the confrontation with the army, Imran broke his crutch, with the help of which the ruler of Pakistan somehow remains stable on the edifice of democracy. Tales of Imran Khan's colorful moods and one after the other marriages also became famous and he was accused of embarrassing corruption. In this, the names of his wife Bushra Biwi and friends, famous for witchcraft, also came up. Imran Khan was also accused of earning money by selling gifts received as PM. Imran left no stone unturned in spewing venom against India and also played no role in ending terrorism. His bad days started as soon as the government fell. As is the custom of Pakistan's politics, cases kept opening against Imran. When the Shahbaz government started tightening the noose on Imran's party, then one by one the leaders of Imran's party PTI left him. Imran became weak due to the strictness taken by the government after violent demonstrations by Imran supporters and this time there was not much protest after his arrest. It is possible that Imran will get bail again, but it remains to be seen how long he will survive in the many cases being run against him. The army is determined to eliminate them completely and the Shahbaz government is about to announce general elections. For the time being, it can be said that what has happened, the entire command that was on the way to build a new Pakistan has slipped.

Inflammatory speech, if the society does not alert, then even installing CCTV cameras on every corner will not work

Such a message should also go to the society from the Supreme Court that the answer to hatred is hatred and the answer to violence cannot be violence. Everyone has to understand that an environment of peace and harmony is in their own interest and that of the country. If the society is not alert about its moral and civic responsibilities, then even installing CCTV cameras at every corner will not help. On the violence in Nuh and other areas of Haryana, the instructions given by the Supreme Court to the governments of Haryana, Uttar Pradesh and Delhi including the central government to stop hate speeches and call for additional security forces if necessary, are in line with the need of the hour.

Are. In fact, instructions should be given to all state governments to stop hate speech, because such speech is not limited to any particular state. There is also a need to define inflammatory speech, because if someone declares something as hateful, then someone criticizes it bitterly. interprets as There is also a problem that there is a lot of noise on someone's hate speech, but someone else's similar speech is ignored. This is ignored by political parties, intellectuals, a section of the media and even sometimes by the courts. At times, grossly objectionable and inflammatory speech is disguised as freedom of expression. Don't know how many hate speeches remained like this, in which no action was taken against anyone. In the case of Nuh violence, it cannot be ignored that provocative speeches were made by both the sides. It is clear that strict action should be taken against both the parties without any discrimination. This action should be such that the nefarious elements get the necessary lesson.

Whether they are right wing or left wing or any other ideological or religious group. The double standards in dealing with hate speech are only adding to the problem. The attempt to prove that such speeches are being given only by people belonging to a particular group or ideology is a mischievous agenda and needs to be exposed. In the case of Nuh's violence, it is also necessary to go to the bottom of the reasons behind it, because such gruesome violence cannot happen without a well-planned conspiracy. Had Nuh not witnessed such horrific violence and large-scale arson, firing and looting, besides targeting the police along with devotees participating in the Jalabhishek Yatra, the violence that followed in other areas could probably have been avoided . Such a message should also go to the society from the Supreme Court that the answer to hatred is hatred and the answer to violence cannot be violence. Everyone has to understand that an environment of peace and harmony is in their own interest and that of the country. If the society is not alert about its moral and civic responsibilities, then even installing CCTV cameras at every corner will not help. This work is not even possible easily in such a big country.

जिलाधिकारी द्वारा मिशन इन्द्रधनुष को सफल बनाने के लिए ई-रिक्शा प्रचार रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मिशन इन्द्रधनुष को सफल बनाने हेतु जिला अस्पताल में नवजात शिशु को पोलियों की ड्रॉप पिलाकर एवं फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात् जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मिशन इन्द्रधनुष को सफल बनाने के लिए कोर ग्रुप पार्टनर्स प्रोजेक्ट के माध्यम से जनमानस को जागरुक करने के लिए जिला अस्पताल मुरादाबाद से ई-रिक्शा प्रचार रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन इन्द्रधनुष के तहत वैक्सीनेशन का एक सप्ताह का इंटेंसिव कार्यक्रम चल रहा है तथा 0-5 वर्ष तक, जो बच्चे वैक्सीनेशन से छूट गये हैं ऐसे बच्चों को चिन्हित कर वैक्सीनेशन किया जायेगा। यह अभियान अगले तीन माह तक चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि सभी बच्चों का ससमय वैक्सीनेशन करवाया जाये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी कुलदीप सिंह, यूनिसेफ के प्रतिनिधि डा0 रोहित कुमार सिंह, डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि डा0 ईशान, अस्पताल स्टाफ सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहें।

गन्ना मूल्य भुगतान न करने पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -कार्ययोजना के अनुरूप एक सप्ताह के अन्दर गन्ना मुल्य भुगतान एवं विकास अंशदान का भुगतान करने हेतु जिलाधिकारी द्वारा दिये गये

सख्त निर्देश जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में जनपद मुरादाबाद की चीनी मिलें राणा शुगर्स लि0 बेलवाडा एवं लक्ष्मी शुगर मिल्स कं.लि.(वर्क्स श्री अजुध्या शुगर मिल्स) बिलारी की पेराई सत्र 2022-23 के अवशेष गन्ना मूल्य एवं विकास अंशदान का भुगतान किये जाने के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आहूत की हुई। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी द्वारा बताया गया कि चीनी मिल बेलवाड़ा पर 33.87 करोड़ एवं चीनी मिल बिलारी पर 49.93 करोड़ का गन्ना मूल्य भुगतान हेतु अवशेष है एवं उक्त चीनी मिलों द्वारा उपलब्ध करायी गयी कार्ययोजना के अनुसार अवशेष गन्ना मूल्य एवं विकास अंशदान का भुगतान नही किया जा रहा हैं, जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा चीनी मिल बेलवाडा एवं बिलारी के उपाध्यक्ष एवं महाप्रबन्धक(वित्त) को कड़ी फटकार लगायी एवं चेतावनी जारी की कि एक सप्ताह के अन्दर कार्ययोजना के अनुसार अवशेष गन्ना मूल्य एवं विकास अंशदान का भुगतान करना सुनिश्चित करें अन्यथा मिल प्रबन्ध तंत्र के विरूद्व कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

समीक्षा बैठक में चीनी मिल बेलवाड़ा के उपाध्यक्ष श्री धन सिंह, चीनी मिल बिलारी के उपाध्यक्ष श्री सुभाष खोक्कर, चीनी मिल बिलारी के डी.जी.एम.वित्त श्री अनिल कुमार, जिला गन्ना अधिकारी मुरादाबाद एवं सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति लि. मुरादाबाद श्री सुरेश चन्द उपस्थित रहे।

नासिक से मुरादाबाद पहुंचने लगा टमाटर, बाजारों में 120 से लेकर 140 रुपये तक बिका

मुरादाबाद में नासिक से टमाटर की आवक शुरू होने के साथ इसके बढ़े दाम में आंशिक कमी आई है। रविवार मंडी समिति में थोक में टमाटर 100 से 120 रुपये प्रति किलो तक बिका। खुले बाजार में भी टमाटर का भाव 120 रुपये से लेकर 140 रुपये तक आ गया। करीब 32 क्विंटल टमाटर मंडी में आया। तीन क्रेट टमाटर मंडी प्रशासन ने भी फुटकर ग्राहकों को 100 रुपये में बिकवाया। नासिक से टमाटर की आवक शुरू हो गई है। हिमाचल, देहरादून के अलावा रविवार नासिक से भी करीब 50 क्रेट टमाटर यहां आया। मंडल मुख्यालय की मझोला स्थित मंडी में रविवार 32 क्विंटल कुल टमाटर आया। हालांकि मांग के हिसाब से टमाटर की आवक अभी भी काफी कम है, लेकिन इसके बाद भी रविवार टमाटर के भाव थोक में करीब 10 रुपये किलो कम हुए। टमाटर के यह दाम अभी भी अधिक हैं। पिछले एक सप्ताह में फुटकर में करीब 100 रुपये तक भाव के नीचे आ जाने से लोगों ने कुछ राहत जरूर महसूस की है। मंडी निरीक्षक महादेवी ने बताया कि मंडी में रविवार कुल 32 क्विंटल टमाटर आया। शासन के निर्देश पर मंडी प्रशासन की ओर से टमाटर के बढ़ते भाव को कम करने के उद्देश्य से रविवार पांचवें दिन भी स्टॉल लगाकर 100 रुपये प्रति किलो की दर से तीन क्रेट टमाटर बिकवाया गया।मंडी निरीक्षक महादेवी ने बताया कि रविवार को 32 क्विंटल टमाटर नासिक से आया। मंडी प्रशासन ने रविवार को पांचवें दिन स्टॉल लगाकर 100 रुपये प्रति किलो की दर से इसे बेचा।

सोनम ने जीता सोना: अमरोहा की बेटी ने कनाडा में फिर रचा इतिहास, ट्रिपल जंप में जीता गोल्ड मेडल

कनाडा के विनितिक शहर में चल रहे वर्ल्ड पुलिस गेम्स में पांच दिन पहले पांच मीटर 85 सेंटीमीटर लंबी छलांग लगाकर सिल्वर जीतने वाली अमरोहा की बेटी सोनम ने एक बार फिर इतिहार रच दिया है। सोनम ने ट्रिपल जंप में 13 मीटर 32 सेंटीमीटर की छलांग लगाकर गोल्ड जीता है। बेटी की कामयाबी पर परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। कोच रोहित गुप्ता ने बताया कि सोनम ने ट्रिपल जंप में सोनम ने 13 मीटर 32 सेंटीमीटर लंबी छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीता है। सोनम ने हांगकांग और साउथ कोरिया कि खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है। ग्रामीणों को मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। त्रिस्तरीय और लंबी कूद की खिलाड़ी सोनम 28 जुलाई से छह अगस्त तक कनाडा के विनितिक शहर में होने वाले वर्ल्ड पुलिस गेम्स में शामिल हुईं। वर्ल्ड पुलिस गेम्स में प्रतिभाग करने का यह उनका दूसरा मौका था। उनका एकमात्र लक्ष्य इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के लिए स्वर्ण पदक लाना था। कोच रोहित गुप्ता ने अमर उजाला से बातचीत करते हुए बताया कि सोनम ने पांच दिन पहले कनाडा में 5 मीटर 85 सेंटीमीटर लंबी छलांग लगाई थी। वह सोना जीतने में केवल 18 सेंटीमीटर पीछे रह गई थीं, लेकिन छह अगस्त को होने वाली ट्रिपल जंप में सोनम देश के लिए गोल्ड लेकर आएंगी ऐसी पूरी उम्मीद और विश्वास था। सोनम ने यह कर दिखाया। उन्होंने बताया कि ट्रिपल जंप (त्रिकूद) में सोनम ने 13 मीटर 32 सेंटीमीटर लंबी छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीत लिया है। सोनम ने हांगकांग और साउथ कोरिया कि खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है। चीन में हुए गेम्स में भी सोनम ने जीता था एक स्वर्ण और एक रजत रजबपुर के गांव मोहम्मदपुर के किसान राजवीर सिंह की बेटी सोनम सीआइएसएफ दिल्ली में हेड कांस्टेबल हैं। वह एथलीट भी हैं। वर्ष 2019 में चीन में हुए गेम्स में भी सोनम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक देश को दिलाया था। इतना ही नहीं मार्च 2023 में सोनम ने 71वीं आल इंडिया पुलिस एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। इसी वर्ष सोनम को देश के पुलिस विभाग की सर्वोत्तम खिलाड़ी भी चुना गया था। इससे पहले उनका एशियन गेम्स में चयन नहीं हो सकता था। वह ट्रायल में तीन सेमी से पिछड़ गई थीं। सोनम को एशियन गेम्स खेलने का मलाल रहा था।

अमरोहा में भारत माता के जयकारे पर भड़के बसपा सांसद दानिश, भाजपाइयों से नोकझोंक

मुरादाबाद - उत्तर प्रदेश के अमरोहा में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे के कार्यक्रम के बीच में ही बसपा के सांसद और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर बवाल मच गया। बताया जा रहा है कि सांसद ने भारत माता की जय नारे को लेकर हंगामा कर दि?या। बता दें कि कार्यक्रम में बसपा सांसद और भाजपा के कई नेता मौजूद थे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के कार्यक्रम में भाजपा के शिक्षक विधायक डा हरिसिंह ढिल्लो ने भारत माता की जय का नारा लगाया तो बसपा सांसद दानिश अली भड़क गए। उन्होंने इसका विरोध किया। जिस पर वहां मौजूद भाजपाई भी भड़क गए।दोनों पक्षों में जमकर नोकझोंक हुई। हालात खींचतान के बन गए।अधिकारियों ने मशक्कत के बाद मामला शांत कराया। रविवार को अमरोहा रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण चल रहा था। यहां पूर्व सांसद कंवर सिंह तंवर, शिक्षक विधायक डॉ हरिसिंह ढिल्लो व जिलाध्यक्ष डॉ ऋषिपाल नागर समेत तमाम भाजपाई मौजूद थे। वहीं बसपा सांसद कुंवर दानिश अली भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे थे। संबोधन के दौरान शिक्षक विधायक ने भारत माता की जय के नारे लगाए तो सांसद को बुरा लगा। उन्होंने खड़े होकर इसका विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों तरफ से नोकझोंक बढ़ गई। सांसद समर्थक व भाजपा कार्यकर्ताओं में खींचतान शुरू हो गई। अधिकारियों ने किसी तरह मामला शांत कराया।सांसद का कहना था कि यह भाजपा का निजी कार्यक्रम नहीं बल्कि सरकारी कार्यक्रम है। यहाँ भाजपा ज़िंदाबाद के भी नारे लगे। प्रधानमंत्री ने यह स्टेशन भाजपा नहीं बल्कि, राष्ट्र को समर्पित किए हैं। ऐसे में पार्टी समर्थित नारे लगाना अनुचित है। जबकि एमएलसी ढिल्लो ने कहा कि भारत माता का जयकारा लगाना हमारा अधिकार है। इसका विरोध सहन नहीं किया जा सकता।

कटघर के नर्सिंग होम में प्रसूता की मौत; डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप- परिवार वालों ने किया हंगामा

मुरादाबाद - कटघर थाना क्षेत्र में एक सप्ताह के अंदर फिर प्रसूता की नर्सिंग होम में मृत्यु हो गई। मामले की सूचना के बाद स्वजन ने हंगामा किया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने समझाकर शांत कराया। इलाज का खर्च वापस करने पर स्वजन शव लेकर चले गए।भोजपुर थाना क्षेत्र के पीपलसाना की प्रीति पाल की शादी बीते 21 जून को देवेंद्र पाल से हुई थी। मां रेखा ने बताया कि गर्भवती प्रीति को शनिवार दोपहर प्रसव पीड़ा होने पर कटघर के दस सराय चौकी क्षेत्र के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। शाम करीब सात बजे आपरेशन के बाद प्रीति ने बेटे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के आधे घंटे बाद से प्रीति की हालत बिगड़ने लगी। रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। स्वजन ने डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर कटघर थाना प्रभारी राजेश सिंह सोलंकी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हंगामा कर रहे लोगों को समझाबुझा कर शांत कराया। कुछ देर दोनों पक्षों ने आपसी समझौता करके मामले को रफा-दफा कर लिया। थाना प्रभारी ने कहा कि इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से शिकायत नहीं की गई।बच्चे के जन्म के आधे घंटे बाद से प्रीति की हालत बिगड़ने लगी। रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। स्वजन ने डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर कटघर थाना प्रभारी राजेश सिंह सोलंकी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हंगामा कर रहे लोगों को समझाबुझा कर शांत कराया। कुछ देर दोनों पक्षों ने आपसी समझौता करके मामले को रफा-दफा कर लिया।

सुपर जोइनिंग वीक

उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live

आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से

रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की

12 पेज का फुल अखबार

एक बार कॉल अवश्य करें

9027776991

प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

लूटे गए मूंगफली लदे ट्रक सहित एक अभियुक्त को अवैध असलहा कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- थाना कोतवाली देहात पुलिस को मिली बड़ी सफलता, थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए करीब 18 टन मूंगफली लदे ट्रक लूट की घटना का किया गया सफल अनावरण, लूटे गए मूंगफली लदे ट्रक सहित एक अभियुक्त को अवैध असलहा कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार। घटना का विवरण- दिनांक 07.08.2023 को वादी जफरुद्दीन पुत्र महमूद निवासी सरैता, थाना तिजारा जनपद अलवर (राजस्थान) द्वारा थाना कोतवाली देहात पर इस आशय की लिखित सूचना दी गई कि दिनांक 06.08.2023 की रात्रि को अपने ट्रक संख्या ऋ्छ 11 त्र्ष्ट 0561 से मंडी समिति एटा से लगभग 18 टन मूंगफली लोड करके राजकोट ले जाते समय कासगंज रोड ओवरब्रिज पर एक टाटा सूमो सवार चार व्यक्तियों ने चैकिंग के बहाने उसकी गाड़ी रुकवाई, जब वह फाइल लेकर सूमो गाड़ी के पास पहुंचा तो सूमो सवार 04 व्यक्तियों ने वादी और उसके पुत्र जो हेल्पर का काम करता है, उसको गाड़ी में डालकर लिंक रोड पर ले गए और उनके हाथ पैर बांधकर जंगल में डाल दिया तथा उनसे 12500 रूपये और एक मोबाइल फोन लूटकर उनके ट्रक को सिकंदराराऊ की तरफ लेकर चले गए, इस सूचना पर थाना कोतवाली देहात पर मुअस0- 362/2023 धारा 394 भादवि0 पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारी- प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र अनावरण तथा माल की बरामदगी हेतु एसएसपी एटा श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा टीमें गठित की गई, जिनके द्वारा उक्त प्रकरण से संबंधित अभियुक्त बॉबी पुत्र प्रेम सिंह निवासी बंथल कुतुबपुर थाना पिलुआ एटा को करीब 18 टन मूंगफली सहित लूटे गए ट्रक व अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया है तथा गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ व अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सार्थक प्रयास सहित थानास्तर से अग्रिम वैधानिक प्रचलित है।

कांवड़ियों के साथ मारपीट तथा पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता करते हुए सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में तीन अभियुक्त 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-थाना कोतवाली देहात पुलिस को मिली बड़ी सफलता, कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत कांवड़ियों के साथ मारपीट तथा पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता करते हुए सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में वांछित चल रहे तीन अभियुक्त 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार। घटनाक्रमानुसार दिनांक 06.08.2023 को ग्राम अमरगोजिया में अभियुक्त सन्दीप व गौरव तथा 15-20 अज्ञात के व्यक्तियों द्वारा कांवडियों के एक समूह के साथ 101 किलो की कांवड़ लेकर जाते समय जावडा नहर पुल के पास अमरगोजिया निवासी मोटरसाईकिल सवार संदीप व गौरव से उपरोक्त कावडियों की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गयी थी तो उक्त लोग कांवड़ियों को धमकी देकर चले गये कि आप लोग अमरगोजिया गांव के पास आओ हम बताते हैं तथा उक्त कांवडियो को मारने के लिये संदीप व गौरव अपने 15-20 साथियों को लेकर एकराय होकर लाठी डण्डों से उक्त कांवड़ियों को रोककर मारपीट की गयी व कांवडियो की मदद हेतु सूचना पर मौके पर पहुँचे उ0नि0 श्री रुपचन्द मय पुलिस बल के साथ उपरोक्त संदीप व गौरव तथा अज्ञात 15-20 लोगों द्वारा एक राय होकर पथराव किया गया जिससे आने जाने वाले कांवड़ियों व यात्रियों में अफरा तफरी मच गई तथा आगरा रोड अवरुद्ध हो गया व सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गयी व अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक मोटरसाईकिल में आग लगा दी गयी। इस संबंध में थाना कोतवाली देहात पर *मु0अ0स0- 358/2023 धारा 147, 148, 149, 323, 504, 506, 435, 336, 353, 332, 341 आईपीसी व 7 सीएलए एक्ट* पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तारी - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना में संलिप्त अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात को निर्देशित किया गया। कोतवाली देहात पुलिस द्वारा एएसपी एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री विक्रांत द्विवेदी के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर मुकदमा उपरोक्त में नामित अभियुक्त सन्दीप व प्रकाश में आये अभियुक्तगण राधेश्याम पुत्र सरमन सिंह व किशनपाल पुत्र सोरनसिंह निवासीगण ग्राम अमरगोजिया थाना कोतवाली देहात जनपद एटा को मुखबिर की सूचना पर राधेश्याम के घर के पास से समय करीब 12.20 बजे गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगण के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की

शिकायतों के निस्तारण में अलीगंज प्रदेश में अव्वल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-अलीगंज, । जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संचालित जनसुनवाई योजना में अलीगंज तहसील को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से 121 शिकायतकर्ताओं ने आवेदन किया था। इसे समय से निस्तारित कर दिया गया है। तहसीलदार राकेश कुमार सिह ने बताया कि तहसील अलीगंज क्षेत्र की 121 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इसमें से सबसे अधिक राजस्व संबंधित थीं। सभी शिकायतों को समय से निस्तारित किया गया है। प्रदेश में प्रथम स्थान मिलना अधिकारियों की कार्य कुशलता का परिणाम है। आगामी समय में भी समयबद्ध तरीके से निस्तारण कराया जाएगा। आईजीआरएस प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि ऑनलाइन आने वाली शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर शीघ्र ही निस्तारण करवाया जाता है। सभी शिकायतों को निष्पक्ष तरीके से निपटाया जा रहा है।

संक्रामक रोगों की दस्तक, सभी को स्वच्छता बरतने के लिए तत्पर रहना चाहिए

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-पिछले पंद्रह दिन से देश में आई फ्लू के मामले में जैसी उछाल देखी जा रही है, वैसे पहले नहीं देखी गई थी। लगभग आधा दर्जन राज्यों को इस बीमारी के मद्देनजर दिशा-निर्देश जारी करने पड़े हैं। क्या आई फ्लू या कंजंक्टिवाइटिस या नेत्रश्लेष्मलाशोथ एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है?

आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में इस बीमारी के इलाज का चार अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार है। दुनिया के सभी महादेशों में बड़ी संख्या में लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। इसका जब संक्रमण होता है, तब आंखें लाल हो जाती हैं। खुजली व चुभन होती है और सूजन भी। आंखों से पानी बहता रहता है। यह बीमारी या संक्रमण होने का एक कारण नहीं है। वायरल व बैक्टीरियल संक्रमण, एलर्जी और जलन पैदा करने वाले पदार्थों के संपर्क में आने से भी यह बीमारी हो सकती है। यह संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलती है। भीड़भाड़ वाले इलाकों, दफ्तरों में रहने वाले लोगों और स्कूलों में बच्चों की आंखें लाल होने की आशंका सबसे अधिक होती है। भारत में एक ओर, मौसम अस्थिर है, तो दूसरी ओर, तमाम तरह की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं, ऐसे में, आई फ्लू का भय बन गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी लोगों को सावधान किया गया है। ध्यान देने की बात है कि देश के अनेक हिस्सों में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के चलते स्वच्छता में भी कमी आई है। उच्च आर्द्रता भी ऐसे रोगों के प्रसार के लिए एक अनुकूल कारक है। क्या कोविड-19 महामारी के बाद लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटी है और उसकी वजह से भी संक्रामक रोगों की आशंका बढ़ गई है? वास्तव में सभी को स्वच्छता बरतने के लिए तत्पर रहना चाहिए। हाथों को साफ रखना भी जरूरी है और अपने चेहरे या आंखों का स्पर्श करने से भी बचना चाहिए। कोरोना के संक्रमण के समय भी यह बार-बार कहा गया था कि अब कुछ वर्षों तक हमें संक्रामक रोगों से कुछ ज्यादा सावधान रहना होगा। वैसे भी वैज्ञानिकों का मानना है कि कंजंक्टिवाइटिस भारत में आम है और ज्यादातर बरसात के मौसम में देखा जाता है। धूप का चश्मा पहनने से संक्रमण को नहीं रोका जा सकता, पर यह किसी व्यक्ति को अपनी आंखों को छूने से रोक सकता है, जो बीमारी के फैलने का एक प्रमुख कारण है। चिकित्सक यह मान रहे हैं कि बारिश का दौर जब तक चलेगा, इस संक्रमण का खतरा बना रहेगा। डेंगू का खतरा भी इन दिनों बढ़ा हुआ है। अकेले त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य में 180 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, वहीं दिल्ली में साल 2018 के बाद सबसे ज्यादा मामले देखे जा रहे हैं। डेंगू एक जानलेवा बीमारी है, अत इसको लेकर ज्यादा चिंता है। यह बीमारी भी जगह-जगह जलभराव और मच्छरों के पनपने से होती है। जाहिर है, यह भी बारिश से जुड़ा संकट है। डेंगू के मरीजों को तीव्र सिरदर्द का अनुभव हो सकता है, जो आंखों में दर्द व असुविधा की स्थिति पैदा कर सकता है। दर्द आमतौर पर आंखों के पीछे केंद्रित होता है और यह डेंगू संक्रमण का एक सामान्य संकेत है, जिससे लोगों को सावधान रहना चाहिए। मांसपेशियों और जोड़ों में अत्यधिक दर्द के चलते डेंगू को अक्सर हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है। मतली, उल्टी और पेट में बेचैनी का भी डेंगू से संबंध है। आज के समय में ऐसी मौसमी बीमारियों को भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि एक समस्या की अनदेखी दूसरी समस्या को बढ़ा सकती है।

किशोरी के कार में बंधक मिलने के बाद आपस में भिड़ गईं महिलाएं, दस लोग जख्मी

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

हरदुआगंज -अलीगढ़ महानगर के रोरावर क्षेत्र में किशोरी के कार में बंधक मिलने की दो दिन पुरानी घटना में देर रात महिलाओं ने हंगामा खड़ा कर दिया। एक कार पर पथराव कर दिया। इस दौरान दोनों ओर से टकराव के हालात पैदा हो गए।

खबर पर हरकत में आई पुलिस ने दोनों पक्षों के घायलों को अस्पताल में भरती कराया है। घटनाक्रम रात का है। जब परिवार के साथ घर में सो रही 14 वर्ष की किशोरी अचानक गायब हो गई।

आरोप है कि परिवार का रिश्ते का भांजा छत के रास्ते अपने दो साथियों की मदद से उसे घर के अंदर आकर ले गया। तडके जब परिवार की आंख खुली तो किशोरी को गायब देख उसकी तलाश शुरू हुई। कुछ देर बाद मोहल्ले में खड़ी एक स्कार्पियो में किशोरी हाथ पैर बंधी मिल गई। इस घटना पर तडके ही पुलिस मौके पर पहुंची और किशोरी को बंधनमुक्त कराकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद देर रात उसी विवाद में दोनों परिवारों की महिलाओं में बहस के दौरान आमना सामना हो गया। दोनों ओर से मारपीट के बीच पथराव हो गया। उस कार पर भी पथराव कर दिया गया।

इससे इलाके में अफरा तफरी मच गई। खबर पर पुलिस पहुंच गई और मामला शांत कराकर दोनों पक्षों के घायलों को अस्साल भेजा गया। सीओ प्रथम के अनुसर इस घटना में किशोरी पक्ष से मोहम्मद जाकिर, मौ. शाकिर, मौ. चांद, मौ. फरीद, सौनू, महिला कौशर, आत्मा, नगीना, सलमा व आरोपी पक्ष से विनोद खां घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। बाकी कार्रवाई जारी है।

तेज धूप के बीच छाते की मदद से यातायात सभांल रहे है ट्रैफिक पुलिस कर्मी

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - इन दिनों भीषणगर्मी व तेज धूप से जहां आम जनमानस बेहाल है। वहीं अलीगढ़ के बोनेर चौराहे पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मी तेज धूम में छाते की मदद से यातायात की व्यवस्था संभालने मुस्तैद नजर आरहे है। भीषणगर्मी व तेज धूप में अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान पुलिस कर्मियों की सराहना की जानी चाहिए

पिता की पत्नी बनकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध तरीके से पेंशन प्राप्त करने के मामले में वांछित चल रही अभियुक्ता गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -निशाकांत शर्मा

एटा- थाना अलीगंज पुलिस को मिली सफलता, लेखपाल पिता की मृत्यु के उपरांत पिता की पत्नी बनकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध तरीके से पेंशन प्राप्त करने के मामले में वांछित चल रही अभियुक्ता गिरफ्तार। जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के परिदृश्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री राजेश कुमार सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध एटा श्री विनोद कुमार पाण्डेय व अपर पुलिस अधीक्षक एटा श्री धनंजय सिंह कुशवाहा के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी अलीगंज श्री सुधांशु शेखर के नेतृत्व में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अलीगंज पुलिस द्वारा थाना अलीगंज पर पंजीकृत मुअसं0- 78/2023 धारा 420, 467, 468, 471, 409 भादवि0 में वांछित चल रही अभियुक्ता को आज दिनांक 07.08.2023 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्ता के विरूद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक की

ससुराल आई विवाहिता दो बच्चों संग लापता

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

हरदुआगंज -पति से विवाद के बीच अपनी मां के पास फरीदाबाद में रह रही विवाहिता अपनी ससुराल आने के बाद लापता हो गई। उसके पति द्वारा संतोषजनक जवाब न देने पर थाने पहुंची मां ने तहरीर देकर बेटी को तलाश करने की मांग की है। थाना विजयगढ़ के गांव कठैरा के माजरा नगला लाला निवासी अनीता देवी ने बताया कि वह कई सालों से फरीदबाद में रहती हैं। उसकी बेटी ज्योति का विवाह हरदुआगंज के गांव शाहपुर निवासी मनौज पुत्र प्यारेलाल के साथ हुआ था। दामाद मनोज भी ज्योति व चार बच्चों के साथ फरीदाबाद में रहकर नौकरी करता था। दो महीने पूर्व मनोज व ज्योति के बीच कलह होने पर मनोज दे बड़े बच्चों को साथ लेकर शाहपुर आ गया था, वापस नौकरी पर न जाने पर एक अगस्त को ज्योति भी वेनों बच्चों को लेकर फरीदाबाद से शाहपुर आ गई थी। ज्योति ने ज्लड सकुशल पहुंचने पर फोन पर मां बात की। इसके बाद उसका फोन बंद आने लगा। आरोप है कि मनोज से फोन पर ज्योति का फोन बंद होने का कारण पूछने पर उसने कहा कि ज्योति अब कभी नहीं मिलेगी। ये सुनकर शनिवार को थाने पहुंची अनीता ने पति व ससुरालियों पर बेटी व दे बच्चों के साथ अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर दी। चौकी प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि पति ने ज्योति को बच्चों संग बहन के पास जाने की बात बताई है। उसकी तलाश में पुलिस जुटी है।

झोलाछाप डॉक्टर के उपचार से 14 वर्षीय किशोरी की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद - उत्तर प्रदेश जनपद फर्रुखाबाद झोलाछाप डॉक्टर के उपचार से 14 वर्षीय किशोरी की मौत कल लड़की को किया गया था भर्ती पेट दर्द व बुखार की थी समस्या आज दोपहर बाद लड़की की हुई मौत , उपचार हेतु दो वार मे 25 हजार रु कराया गया था जमा, लड़की की मौत के बाद डॉक्टर क्लिनिक बंद कर भाग गया फोन भी किया बंद.शहर मे बेस्ट केयर फार्मा के नाम से खोल रखा है मैडिकल, इसी की आड़ मे चलाता है क्लिनिक क्लिनिक मे मरीज भर्ती भी किये जा रहे. Acmo का नहीं उठ रहा फोम, cmo कार्यालय से जानकारी करने पर पता चला कि यहां रक्षपाल नाम का आदमी इलाज करता है जो मेडिकल के आड़ मे क्लिनिक चलाता है Cmo कार्यालय की लापरवाही से फर्रुखाबाद मे चल रहे दर्जनों अवैध, अमानक व झोलाछाप डाकटरों से संचालित अस्पताल। जो आये दिन गरीव मरीजों की ले रहे जान।

पुलिस से बेखौफ दबंगों ने युवक को सड़क पर जमकर मारा

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - आपको बताते चलें कि अपने ही पैसे मांगने पर दबंगों ने युवक बृजेश सिंह व उसके पिता शंकर सिंह को बुरी तरह सड़क पर अपने भाइयों के साथ एक राय होकर जमकर लात घुसा से धुना युवक व उसके पिता के साथ इस तरह की मारपीट करने के बावजूद भी दबंग युवक आदेश श्रीवास्तव भाई बृजेश श्रीवास्तव भाई प्रवेश श्रीवास्तव के कलेजे में ठंडक न पड़ने पर दबंगों ने पीड़ित युवक को जान से मारने की नियत से अपनी दुकान के अंदर बाल पकड़कर घसीटते हुए ले गए जहां पर दबंगों ने युवक के साथ दुकान में दोबारा जमकर मारपीट शुरू कर दी दबंगों ने युवक को मारते समय उसके कंधे के पास की हड्डी तक तोड़ दी और दुकान पर रखी कांची से जान से मारने की नियत से बार किया जिससे युवक ने किसी तरह

अपनी जान बचाकर दुकान से भागने में सफल रहा आखिर कार दबंगों को क्यों नहीं है पुलिस का खौफ पीड़ित युवक का यहां तक कहना है कि जब मैं अपनी फरियाद लेकर सदर कोतवाली गया तो वहां पर भी उसकी एक न सुनी गई और तो और फरियादी का ही पुलिस ने 151 में चालान कर भेजा न्यायालय पीड़ित ने न्यायालय से अपनी जमानत कराई और फिर पीड़ित ने अपनी फरियाद हमारे संवाददाता फर्रुखाबाद को अपने साथ घटी सारी घटना जानकारी दी कब संवाददाता फर्रुखाबाद ने सदर कोतवाल फर्रुखाबाद से फोन द्वारा संपर्क कर घटना की जानकारी ली जिस पर सदर कोतवाल ने मामले की जानकारी ना होने की पुष्टि की और संवाददाता को आश्वासन दिया कि पीड़ित के साथ अगर इस तरीके का मामला हुआ है तो आप सुबह 10=00 पीड़ित को हम से मिलने के लिए कहे जब घटना के दूसरे दिन पीड़ित सुबह 10=00 बजे सदर कोतवाल से मिलने गया तब कोतवाल साहब ने पीड़ित का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर पीड़ित का लोहिया अस्पताल आवास विकास से मेडिकल कराया और 323, 504 निम्न धाराओं में प्रथम सूचना एनसीआर दर्ज की आखिरकार क्या है यह खेल पुलिस का खेल तो पुलिस ही जाने विवेचना के नाम पर पुलिस भी लीपापोती में जुटी आज तक नहीं हुई दबंगों के खिलाफ कोई भी कड़ी कार्रवाई जनपद में तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की मौजूदगी के बावजूद भी पुलिस पर उठ रहा है निशानिया सवाल दबंग युवकों के ऊपर किसी एक विशेष व्यक्ति का पैसा नहीं बल्कि ना जाने अनगिनत कितने व्यक्तियों का पैसा लिए बैठा है पैसा देने के नाम से दबंग युवक सभी लोग के साथ गाली गलौज करने के साथ करता है
मारपीट व किसी भी व्यक्ति के द्वारा अपनी खून पसीने की कमाई का पैसा मांगने के नाम पर दबंग किसी व्यक्ति को नहीं देता है फूटी कौड़ी कई व्यक्तियों के साथ दिया जा चुका है थाने में प्रार्थना पत्र उसके बावजूद भी पुलिस के द्वारा आज तक नहीं की गई कोई भी दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पुलिस मौन दबंग बेखौफ बराबर दे रहे हैं घटनाओं को अंजाम मामला सदर कोतवाली फर्रुखाबाद का है

डॉ. मिन्हास की पुस्तक "महान व्यक्तित्व जस्सा सिंह अहलूवालिया" का विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - गुरु नानक मिशन सेवा सोसाइटी ने प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका डॉ. कुलविंदर कौर मिन्हास की पुस्तक महान व्यक्तित्व जस्सा सिंह अहलूवालिया का विमोचन किया। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष अमर सिंह ने पुस्तक के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये और कहा, डॉ. मिन्हास ने जस्सा सिंह अहलूवालिया के जीवन के बारे में लिखकर एक सराहनीय कार्य किया है, उन्होंने इस महान व्यक्तित्व के बारे में लिखा है जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र के लिए न्यौछावर कर दिया आज समय की मांग है। पंजाबी संस्कृति अकादमी की अध्यक्ष डॉ. महिंदर कौर ग्रेवाल ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, इस पुस्तक में केवल 21 अध्याय है जिसमें लेखिका ने जस्सा सिंह अहलूवालिया के जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया है। कुछ समय पहले, लेखका ने महान व्यक्तित्व बाबा बंदा सिंह बहादुर के बारे में एक पुस्तक भी लिखी थी जिसके लिए वह बधाई की

पात्र हैं।. किताब के बारे में बोलते हुए सिख उपदेशक मास्टर दर्शन सिंह ने कहा, इस किताब की खासियत यह है कि इसमें लेखिका ने जस्सा सिंह के जीवन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है, वहीं वर्तमान संदर्भ में भी इसे प्रभावशाली ढंग से लिखा गया है। पुस्तक की लेखिका डॉ. मिन्हास ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा, सिख समुदाय के महान व्यक्तित्व जस्सा सिंह अहलूवालिया की जीवनी लिखकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।
आज हमारी युवा पीढ़ी को उन महान व्यक्तित्वों के बारे में जानकारी नहीं है। मुझे विश्वास है कि वे इस पुस्तक को पढ़कर बहुत कुछ सीखेंगे। इस अवसर पर परमिंदर सिंह, संदीप सिंह, जिम्मी अहमदगढ़, रजनदीप कौर, कैप्टन कुलदीप सिंह, केदारनाथ, मैडम हरजिंदर कौर, अध्यक्ष राकेश गर्ग, कृष्ण कुमार और कई अन्य सज्जन उपस्थित थे।

पक्षियों की सेवा करना अपने परिवार की सेवा करने के समान है-नेताजी सोंधी, अजय सिद्धू

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - धार्मिक एकता वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष अजय कुमार सिद्धू के नेतृत्व में करीब तीन साल से पक्षियों को दाना डालने की मुहिम शुरू हो गई है। जिसमें प्रतिदिन 10 किलो गेहूं, मक्का और बाजरा बेजुबान पक्षियों को खिलाया जाता है और दरवेशों को दूध परोसा जाता है।
वहीं आज नगर निगम अधीक्षक नेताजी सोढ़ी मुख्य अतिथि के रूप में पक्षियों को दाना डालने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं और मेरा परिवार हर दिन यहां से गुजरते हुए पक्षियों को दाना डालते थे । इस अवसर पर नेताजी सोंधी का रंग-बिरंगे गुलदस्ते एवं सरोपा देकर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान दिनकर सूद, विजय कुमार, मनजीत बोपाराय, कंवलजीत कौर, भूपिंदर वैद, विशाल कुमार संजीव गर्ग, आकाश कुमार, राजेश कुमार, अर्जन सिद्धू, अशोक पट्टी, गुलशन कुमार आदि ने सहयोग दिया।

डिप्टी कलेक्टर को ससम्मान दी गई विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- डिप्टी कलेक्टर सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी का जशपुर तबादला होने पर आज उन्हें कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में ससम्मान विदाई दी गई। विदाई समारोह में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी के प्रशासनिक क्षमता की तारीफ की और और उन्हें एक सक्रिय और संवेदनशील अधिकारी बताया। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कुछ न कुछ गुण व अवगुण होते हैं,
हमें उनमें गुण को अपनाकर अपना सकारात्मक विकास करना चाहिए।उन्होंने शुरू सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी के जिले के लिए किए गए बेहतर कार्य की तारीफ की और उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी वह अच्छा कार्य करती रहेंगी। इसके साथ ही कलेक्टर ने उन्हें स्मृति चिन्ह से सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विदाई के अवसर पर सुश्री आकांक्षा त्रिपाठी ने

अपने कार्यकाल के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए सहयोग एवं प्रेम के लिए उनका धन्यवाद व आभार प्रकट किया।
उन्होंने सभी अधिकारी व कर्मचारी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डॉ. प्रियंका वर्मा, एसडीएम श्री रवि सिंह, तहसीलदार वर्षा बंसल, राजस्व अमला सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों ने डिप्टी कलेक्टर आकांक्षा त्रिपाठी के कार्यकाल में किए गए कार्यों के सुखद अनुभव साझा करते हुए अधिकारी की प्रशंसा की।

एक तरफ राजस्व अभिलेखों में दर्ज रास्ते पर अवैध अतिक्रमण दूसरी तरफ वाल्मीकि आबादी में आज मौजूदा प्रधान करा रहा था निर्माण तहसील प्रशासन मौन

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

श्रावस्ती के विकासखंड हरिपुर हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भंगही के प्रधान लक्ष्मी शरण द्वारा एक तरफ राजस्व अभिलेखों में दर्ज रास्ते को अवरुद्ध कर रखा है वहीं दूसरी तरफ आज वाल्मीकि आबादी में अपना पक्की दीवार बनाकर अवैध कब्जा बना रहा था जिसकी सूचना उप जिलाधिकारी भिंगा को दी गई डायल 112 व चौकी प्रभारी भंगहा विवेक राठौर को सूचना मिलते ही मौके पर आए और उन्होंने ग्रामीण और प्रधान को समझाया और बताया जब तक राजस्व अधिकारियों द्वारा कोई भी निर्णय नहीं दिया जाता है तब तक इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं

करेगा चौकी प्रभारी भंगहा के जाते ही दबंग प्रधान ने फिर अपना काम चालू कर दिया वाल्मीकि आबादी पर कानूनगो ने जब प्रधान से बात की तब जाकर के काम रोका गया मौजूद ग्रामीण बरसाती लाल यादव उमेश राव सुरेश कुमार यादव प्रताप नारायण यादव कोमल यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि हम प्रार्थना पत्र देते ही रहेंगे या योगी का बुलडोजर भंगही प्रधान के ऊपर चलेगा कार्यवाही की मांग कर रहे ग्रामीण

डीएफओ पंकज कुमार कमल ने किया पदभार ग्रहण

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- सूरजपुर वन मंडल में राज्य सरकार द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद आईएफएस श्री पंकज कुमार कमल ने सूरजपुर जिला वनमंडलाधिकारी कार्यालय में पहुंचकर विधिवत वन मंडल के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर का पदभार ग्रहण कर लिया है।
इस दरम्यान उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर कार्यालय का निरीक्षण किया है। अपने कक्ष में उन्होंने सभी उप वनमंडलाधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारियों की मौजूदगी में योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रगति से संबंधित गतिविधियों से रूबरू होकर सूरजपुर उप वनमंडलाधिकारी श्री अनिल सिंह के साथ वन परिक्षेत्र अंतर्गत खोखनिया नाला का भ्रमण कर जलभराव सहित अन्य गतिविधियों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। आपको बताते चलें कि वर्ष 2016 बैच के आईएफएस अधिकारी श्री पंकज कुमार कमल इससे पूर्व सरगुजा वन मंडलाधिकारी, सामाजिक वानिकी एवं अनुसंधान वन मंडल बिलासपुर में वनमंडलाधिकारी बतौर अपनी सेवाएं दी हैं।

स्थानीय लोगों को कावड़ ले जाने से रोकना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है-दुर्गेश कुमार गुप्ता

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली- स्थानीय लोगों को कावड़ ले जाने से रोकना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसा प्रतीत होता है के भारत में हिंदुओं के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है उनके मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है यदि कोई किसी गली में रहता है, और वहां कोई अवैध धार्मिक स्थल है तो उसे पूजा करने से रोक दिया जाएगा, और शादी करने जा रहा है तो क्या उसे बारात निकलने पर भी पाबंदी होगी ,,।अंतिम संस्कार होगा तो अर्थी निकालने पर भी रोक दिया जाएगा 23 एवं 30 जुलाई को कावड़ यात्रा की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी उसके बावजूद भी जोगी नवादा में उपद्रव हुआ और अब 6और 7 अगस्त को

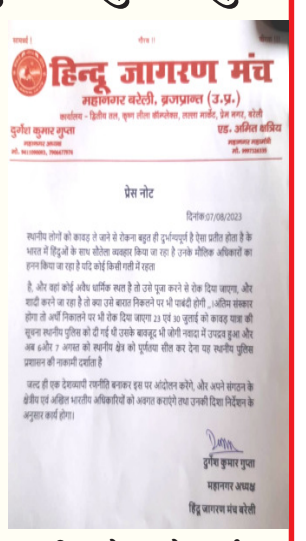

स्थानीय क्षेत्र को पूर्णतया सील कर देना यह स्थानीय पुलिस प्रशासन की नाकामी दर्शाता है जल्द ही एक देशव्यापी रणनीति बनाकर इस पर आंदोलन करेंगे, और अपने संगठन के क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय अधिकारियों को अवगत कराएंगे तथा उनकी दिशा निर्देशन के अनुसार कार्य होगा।

जोन डी में लगाए नई वार्ड बंदी के नक्शे को देखने के लिये दूरबीन लेकर पहुंचे भाजपा पार्षद व कार्यकर्ता

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना -- नगर निगम द्वारा की गई नई वार्ड बंदी का नक्शा जोन डी में लगाया गया। जोन डी में लगाए नक्शे को देखने के लिए जिला भाजपा उपाध्यक्ष सुमन वर्मा,जिला भाजपा सचिव नवल जैन,पूर्व पार्षद गुरदीप सिंह नीटू,रोहित सिक्का,वरिंदर सहगल,पार्षद पुत्र महेश शर्मा, सन्नी नीटू,प्रेस सचिव डॉ.सतीश कुमार,अमन कुमरा,सन्नी नीटू,मोहित सिक्का,सुरेश मिगलानी,सुनील

आर्य दूरबीन लेकर पहुंचे। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुमन वर्मा व जिला सचिव नवल जैन ने कहा कि वार्ड बंदी का नक्शा इतना ऊंचा लगा दिया है की नजर ही नहीं आ रहा। दूरबीन से देखने पर भी समझ नहीं आ रहा कि उनका इलाका किसी वार्ड में है। कानून के मुताबिक 10 साल के बाद ही वार्ड बंदी की जा सकती है सरकार ने कानून की अवेहलना करते हुए यह वार्ड बंदी की है। जिसका भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध किया जा रहा है।पूर्व पार्षद गुरदीप सिंह नीटू,रोहित सिक्का,वरिंदर सहगल ने कहा कि शहर की आबादी 25 लाख के लगभग है। दूरबीन लगाने के बाद भी नक्शे में नजर नहीं आ रहा कि कौन से नए इलाके साथ जुड़े हैं। वार्ड बंदी में सिर्फ खानापूर्ति की गई है उन्होंने कहा कि यदि नक्शे को सार्वजनिक रूप से लोगों के बीच नहीं लगाया तो इसका विरोध किया जाएगा। पार्षद पुत्र जिला उपाध्यक्ष महेश शर्मा व भाजपा के जिला प्रेस सचिव डा.सतीश कुमार ने कहा कि आप सरकार ने नक्शे को दूसरी मंजिल पर लगवा कर अपनी कमजोरी छिपाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि जो वार्डबंदी का नक्शा लगाया गया है उसे नीचे करके लगाया जाए, ताकि हर व्यक्ति पढ़ सके।

आजादी के अमृत महोत्सव पर भी पक्की सड़क को तरस रहा है एक गांव

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर। आजादी के अमृत महोत्सव पर भी पक्की सड़क को तरस रहा एक गांव परीं सूरजपुर जिला मुख्यालय से लगा हुआ है। लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी अब तक पक्की सड़क नहीं बन सकी है बरसात के दिनो ग्रामीणों को परेशानी और बढ़ गई है कीचड़ से सराबोर सड़क को पार कर बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाया जाता है। वहीं गांव के विद्यार्थी भी कीचड़ भरे सड़कों में चलकर 5 किलोमीटर दूर सूरजपुर या डुमरिया स्कूल पढने़ जाते हैं। गांव के किसी व्यक्ति की तबीयत अधिक खराब हो जाती है तो उसे अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेस भी समय पर नहीं पहुंच पाता है। किसी तरह स्वजन वाहन की व्यवस्था कर लेते हैं तो कीचड़ युक्त सड़क से वाहन को निकालना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, मगर आजादी के 75 साल बाद भी परीं से मेन रोड सूरजपुर मार्ग नहीं बन सका है। ग्राम परीं से 5 किलोमीटर की दूरी पर जिला मुख्यालय सूरजपुर है। सूरजपुर या भैयाथान जाने के लिए मेन रोड तक गांव से लोगों को पैदल तक चलना मुश्किल हो

गया है। सरकार की पीएमजीएसवाई और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क जैसी योजना के बाद भी आजादी के 75 साल बीत जाने पर यहां पक्की सड़क नहीं बन सकी है। लगातार हो रही वर्षा की वजह से मार्ग कीचड़ से सराबोर हो गया है जिसकी वजह से लोगों को सूरजपुर जिला मुख्यालय जाने के लिए 5 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ रही है। छोटे छोटे बच्चों को आंगन बाड़ी व विद्यार्थियों को परीं स्कूल आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर गांव में यदि कोई घटना हो गई हो या किसी का स्वास्थ्य खराब हो तो लोगों को 108 और 112 के आने के लिए कई घंटे तक इंतजार करना पड़ता है । बरसात के दिनों में परीं के ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। आजादी के 75 साल बाद भी ग्रामवासी मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं। सोसायटी जाने किसानों को 5 किलोमीटर सूरजपुर का सफर तय करना पड़ता है। वहीं पास के प्रमुख नगर व थाना जाने के लिए 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। देश आजादी का अमृत महोत्सव बना रहा है, मगर आजादी के 75 साल बाद भी परीं मार्ग नहीं बन सका है। वर्षा होने पर पर परीं मार्ग में बड़े बड़े गड्ढे होने से पानी भर गया है। हालत इस प्रकार हो चुकी है की शायद इसमे रोपा लगा दिया जाए तो बहुत अच्छी फसल हो सकती है। जर्जर होने के कारण कई बाइक चालक गिरकर घायल हो गए हैं।

समय पर नहीं पहुंच पाता एंबुलेस

युवा व्यवसाई संदीप कुशवाहा का कहना है कि बरसात के दिनों में कीचड़ से सराबोर सड़क को पार कर बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाया जाता है। वहीं गांव के विद्यार्थी भी कीचड़ भरे सड़कों में चलकर तीन किलोमीटर दूर सूरजपुर पढने़ जाते हैं। गांव के किसी व्यक्ति की तबीयत अधिक खराब हो जाती है तो उसे अस्पताल तक पहुंचाने के लिए एंबुलेस भी समय पर नहीं पहुंच पाता है। किसी तरह स्वजन वाहन की व्यवस्था कर लेते हैं तो कीचड़ युक्त सड़क से वाहन को निकालना किसी चुनौती से कम नहीं होता है। किसानों को खाद- बीज के लिए सूरजपुर सोसायटी जाना पड़ता है। कीचड़ की वजह से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इतनी समस्या होने के बाद भी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने कभी इस गांव की सुध नहीं ली। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भी कभी कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

सड़क नहीं बनी तो करेंगे चुनाव का बहिष्कार

ग्राम पंचायत परीं के समस्त ग्राम वासियों का कहना है कि ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव की लापरवाही के कारण आज गांव में परेशानियां उत्पन्न हो रही है।अगर चाहते तो मनरेगा से मिट्टी मुरूम का कार्य करा सकते थे। लेकिन चुनाव जीतने के बाद कुंभकरण की नींद सो रहे हैं। और इधर जनता परेशान हो रही है जनप्रतिनिधि भी वोट लेने के बाद इस गांव की ओर दुबारा मुड़कर नहीं देखे। चुनाव के समय हाथ जोड़कर वोट मांगने वाले नेता अब उनके गांव क्यों नहीं आते। परीं वासियों को जनप्रतिनिधियों ने उनके हाल पर छोड़ दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो वे सभी ग्रामवासी मतदान का बहिष्कार करेंगे।

माता-पिता की इच्छा पूरी करने के लिए श्रवण कुमार बने ये आठ भाई, कंधे पर बैठाकर करा रहे कांवड़ यात्रा

त्रेता युग के श्रवण कुमार की कहानी तो सुनी ही होगी, लेकिन हम यहां कहानी बता रहे हैं कलयुग के आठ श्रवण कुमार की। बात सुनने में अजीब जरूर लगेगी, लेकिन यह सच है। मैनपुरी जिले के कस्बा करहल इकहरा गांव के रहने वाले आठ बेटे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर कासगंज के लहरा गंगा घाट पर पहुंचे।रामायण में अयोध्या कांड में एक श्रवण कुमार की कथा का वर्णन मिलता है, लेकिन कलयुग में सावन के महीने में एक नहीं आठ श्रवण कुमार साक्षत देखने को मिले। आठ बेटे मैनपरी से एक साथ अपने माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर गंगा स्नान कराने के लिए लहरा गंगा घाट पहुंचे। जहां आज के समय में बेटे अपने मां-बाप को बोझ समझकर वृद्धा आश्रम भेज देते हैं, वहीं इन बेटों का ये सेवा भाव देखकर लोग तारीफ किए बिना खुद को नहीं रोक सकेइस समय सावन का महीना चल रहा है। बड़ी संख्या में शिव भक्त भोले नाथ को प्रसन्न करने के लिए कांवड़ में गंगा जल भरकर ले जा रहे है। इन शिव भक्तों के बीच नौ पुत्रों की मातृ पितृ भक्ति लोगों के बीच चर्चा में रही। इकहरा करहल मैनपुरी निवासी राधेश्याम (95) रामपूर्ती देवी (90) की सावन माह में गंगा में स्नान करने की इच्छा हुई। यह इच्छा उन्होंने अपने पुत्रों के समक्ष रखी। उनके पुत्र महेंद्र, गोविंद, गोपाल, आकाश, विकास, पंकज,अर्जुन और इशांत के समक्ष रखी।170 किमी का सफर करेंगे तय आठों पुत्रों ने अपने माता-पिता की इच्छा को पूरा करने का निर्णय लिया। इसके बाद वे अपने माता पिता को कांवड़ में बिठाकर लहरा गंगा घाट के लिए निकल पड़े। जब ये पुत्र कावंड़ में बिठाकर अपने माता पिता को लेकर जनपद से निकल रहे थे और लोगों की निगाह उन पर पड़ती तो वे सराहना किए बिना नहीं रहते। पुत्रों ने बताया कि उनके गांव से लहरा तक का रास्ता 170 किमी का है। दो दिन पहले वे निकले थे। माता-पिता को स्नान कराने एवं मंदिरों के दर्शन कराने के बाद वापस लौटेंगे।

2000 रूपये कीमत के गांजा सहित 1 गिरफ्तार, चौकी चेन्द्रा पुलिस की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने एवं सक्रिय मुखबीर का जाल बिछाने के निर्देश दिए थे
जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है। रविवार को चौकी चेन्द्रा पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम पकनी में एक व्यक्ति गांजा रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम पकनी में घेराबंदी कर प्रभू नारायण उर्फ सूरज कुशवाहा पिता महाबीर प्रसाद कुशवाहा उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम पकनी, चौकी चेन्द्रा को पकड़ा गया जिसके कब्जे से 1 किलो 100 ग्राम गांजा कीमत करीब 12000 रूपये का जप्त किया गया। मामले में धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी चेन्द्रा संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक रविनंद सिंह, पवन सिंह, संजय चौहान, आरक्षक कमलेश मानिकपुरी, रजनीश पटेल व जगत पैंकरा सक्रिय रहे।

'ASI बना रही नक्शा, फिर...' चौथे दिन का सर्वे पूरा; मामले को लेकर वकीलों ने बताई ये अहम बात

वाराणसी- वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वेक्षण का चौथा दिन पूरा हो गया। ज्ञानवापी परिसर से बाहर निकले वकीलों ने बताया कि एएसआई अपने काम को अच्छे ढंग से आगे बढ़ा रहा है। सर्वेक्षण मंगलवार की सुबह आठ बजे फिर शुरू होगा। एएसआई की टीम सोमवार की सुबह 11 बजे ज्ञानवापी परिवार में सर्वे के लिए पहुंची थी। पांचवें सावन के सोमवार को भारी भीड़ की वजह से सर्वे के लिए 11 बजे के बाद टीम सर्वे करने भारी सुरक्षा के बीच गेट नंबर चार पर पहुंची। ज्ञानवापी परिसर से बाहर निकले वकीलों ने बताया कि एएसआई अपने कार्य को अच्छे ढंग से आगे

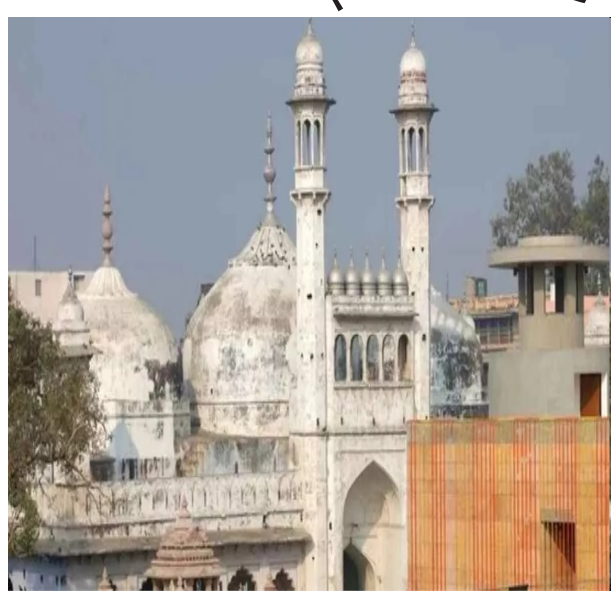

बढ़ा रहा है।

एएसआई बना रही नक्शा

ज्ञानवापी परिसर में एएसआई सर्वेक्षण को लेकर हिंदू पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी ने बताया कि एएसआई की टीम एक नक्शा बना रही है। एक रिपोर्ट का मसौदा तैयार किया जा रहा है और फिर वे रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने बताया कीसर्वेक्षण कल सुबह आठ बजे शुरू होगा। वकील ने कहा- ASI अपने काम को अच्छे ढंग से आगे बढ़ा रहा है हिंदू पक्ष के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने बताया कि एएसआई अपने काम को अच्छे ढंग से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि स्थिति अच्छी है और एएसआई अपनी टेक्नोलॉजी, यूनिट, उपकरणों के माध्यम से कार्य कर रही है।हम चाहते हैं मंदि?र के साक्ष्य निकल आएं
उन्होंने बताया कि एएसआई को जिस विशेषज्ञ, टीम की जरूरत होगी वह उनको बुलाकर सर्वे कराएगा। उन्होंने कहा, हम बस चाहते कि सर्वे में मंदिर के साक्ष्य निकल जाएं।

नशीली दवा के सप्लायर को थाना झिलमिली पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- थाना झिलमिली पुलिस ने बीते 18 जुलाई को ग्राम करकोटी में घेराबंदी कर सोहेल खान व शाहरूख रजा निवासी मस्जिदपारा सूरजपुर को पकड़ा था जिनके कब्जे से 1 लाख 50 हजार रूपये कीमत के नशीली टेबलेट व इंजेक्शन जप्त कर धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दोनों को गिरफ्तार किया था। वहीं मामले में नशीली दवा का सप्लायर आरोपी अजय कुमार शाह फरार था। पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने फरार आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी झिलमिली को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना झिलमिली की पुलिस आरोपी की लगातार पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर बैढ़न मध्यप्रदेश में दबिश देकर आरोपी अजय कुमार शाह पिता राम लल्लू शाह उम्र 35 वर्ष ग्राम हिरवाह, थाना बैढ़न जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश को पकड़ा गया और विधिवत गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली राजेंद्र साहू, एएसआई ललित तिर्की, प्रधान आरक्षक हेमंत सोनवानी, आरक्षक हेमंत सिंह व राकेश सिंह सक्रिय रहे।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

CDC advice: Children must get RSV vaccination, this disease with symptoms like Kovid can be serious

Respiratory syncytial virus (RSV) is a global problem affecting a large number of people, mainly children are at risk, but in some cases older people can also be at risk. RSV is a common respiratory virus that causes cold-like symptoms in children and adults. Sometimes

the symptoms can be severe and unpredictable, requiring hospitalization of infected babies. Health experts say, the infection caused by the RSV virus can also lead to problems for the lungs and respiratory system. Center for Disease Prevention and Control (CDC) experts say that efforts should be made to protect children from this infection, for this it is necessary that all children up to eight months of age should be vaccinated against infection. Let us know about this problem. It is important to vaccinate children - CDC experts say that all children under the age of 8 months should be vaccinated against respiratory syncytial virus, or RSV. RSV usually only causes mild cold symptoms, but infants may be at risk of serious complications such as pneumonia or inflammation of the small airways of their lungs during the first infection. One to three percent of children are hospitalized due to RSV. This risk can be reduced with the help of vaccination. Vaccination can reduce risk by 80% - Recently the FDA approved the injection for infants and some high-risk children. The CDC also recommends that nircevimab be given to high-risk children younger than 19 months of age. This is a vaccine that protects against virus infection. Clinical trials have shown that it can reduce hospitalizations and serious health risks for RSV in infants by about 80%. Know about respiratory syncytial virus- Respiratory syncytial virus (RSV) causes infection in the lungs and respiratory tract. In adults and older people, the symptoms of RSV are milder and are usually similar to those of the common cold. RSV can cause serious infection in some people. Children one year of age and younger (infants), especially those born prematurely, people with heart and lung disease, or those who are immunocompromised may be at a higher risk of severe infection due to It is very important to defend. Its symptoms are similar to Kovid-19 - Health experts say that both RSV and corona virus are the same type of respiratory virus, so some of its symptoms may be similar. In children, COVID-19 often results in mild symptoms such as fever, runny nose, and cough, similar to those seen during RSV infection. It is also worth noting that having RSV can weaken the immune system, which can increase the risk of getting Kovid-19 in children and adults. On the other hand, if someone gets both the infections together, then the risk of taking a more severe form of the disease increases.

New problem: With conjunctivitis, cases of ear infection have increased in Delhi, know its causes and methods of prevention

The ongoing eye flu infection in the capital Delhi continues to increase, in the last two weeks, cases of conjunctivitis patients have increased rapidly in a large number of hospitals. Patients are having problems of redness, burning, stinging and pain in the eyes. Doctors say, Delhi is in a phase of infectious diseases these days, amid ongoing infection of mosquito-borne diseases and eye flu, these days the number of patients is increasing in hospitals with complaints of ear infection. Doctors say that the problem of this type of infection is quite common during monsoon. Health experts say, more cases of ear infection are being reported these days. Due to the high humidity and damp

environment of monsoons, the risk of fungal infections is increasing, ear infections can be very uncomfortable, if not treated in time, it can lead to very uncomfortable conditions . In severe cases, the condition of ear infection can also affect the ability to hear, which needs constant attention of all people. Ear Infection in Monsoon - Says Health Experts Infection conditions are quite common in moist humid climates. This infection can be of both bacterial or fungal types. The infection can affect any part of the ear. Due to the increase in the humidity level during the rainy season, the risk of bacterial and fungal growth in the ears is considered to be quite high. Other causes of infection are cold or flu and allergies. These conditions can cause congestion and swelling in the throat as well as part of the nose and middle ear. When fluid starts to accumulate in the ear, it also causes an ear infection. How are its symptoms?- Depending on the problem of ear infection and its severity, patients may experience different types of symptoms. Severe pain in the primarily infected ear, fever with ear discharge, and a severe headache are common. Doctors say that some people are at risk of hearing loss and vertigo due to ear infection conditions. Since most of the nerves of the ear are connected to the parts of the face, the problem of severe pain in the face and head is also quite common with the infection. How to avoid ear infection? To avoid the problem of ear infection during monsoon, it is necessary to keep a few things in mind. Keeping the ears dry is very important for this. Due to the moist conditions in the ears, the risk of infection increases significantly. Make sure to dry the ears thoroughly after getting wet in the rain, bathing or swimming. Be sure to clean and dry the ears thoroughly with a towel. Keep these things in mind as well- To prevent the problem of increasing ear infection, it is very important to take care of some other things. Take special care while using earbuds, long-term use of rubber earbuds should be avoided. Gargle with salt-water. This will not cause throat infection and also reduce the problem of ear infection. Keep your ear clean, however, you should not put anything inside to clean the ear as it can injure the eardrum. Clean earphones and Bluetooth devices with disinfectant. If you are facing any kind of pain or any kind of problem in the ears, then contact a doctor regarding this. Use any medicine only on the advice of the doctor, there can be a risk of damage by putting any medicine in the ears by yourself. Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

Health Talk: The seeds you throw away can save millions of dollars spent on many diseases

We all often throw the seeds of many fruits and vegetables in the garbage as garbage, but do you know that some seeds can actually be more beneficial than vegetables and fruits? Many studies mention the health benefits of consuming pumpkin seeds. These seeds are no less effective than any medicine. Apart from home remedies, medical science has also found on the basis of studies that if pumpkin seeds are consumed, it can be beneficial for you in reducing problems like blood pressure and sugar. Researchers found that pumpkin seeds are highly nutritious. Consuming it can be beneficial in everything from improving fertility to better heart health and controlling blood sugar. All types of nutrients present in it have been found effective in keeping the body healthy. Let us know about

rich in magnesium - Pumpkin seeds are one the benefits of pumpkin seeds. These seeds are Magnesium is needed for more than 600 of the best natural sources of magnesium. of magnesium may be beneficial in chemical reactions in your body. Adequate levels heart diseases, building and maintaining controlling blood pressure, reducing the risk of is also essential for maintaining proper bones, and controlling blood sugar. Magnesium Great for the heart - Pumpkin seeds are a muscle-nerve function and boosting energy. and unsaturated fats, all of which help keep good source of antioxidants, magnesium, zinc that pumpkin seed oil can lower blood your heart healthy. Are. Studies have shown important risk factors for heart disease. pressure and cholesterol levels, which are two 12-week study with 35 postmenopausal https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/31445363/A supplements lowered diastolic blood pressure women found that pumpkin seed oil 16%. May benefit diabetes patients - Blood by 7% and increased good cholesterol levels by beneficial in reducing the level of sugar. Consumption of pumpkin seeds can also be seeds or its powder has a significant effect Research has found that consuming pumpkin healthy adults found that those who on blood sugar levels. A study conducted on pumpkin seeds had significantly better blood consumed a meal containing 65 grams of beneficial for health. ttps:// sugar levels after a meal. This can be very help you sleep better - If you have trouble www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/16758316Can then pumpkin seeds can also benefit from it. sleeping, suffer from problems like insomnia, contain a natural source of tryptophan, an Are. According to studies, pumpkin seeds amino acid that helps promote sleep. Researchers found that consuming at least 1 gram of tryptophan per day improved sleep. People suffering from insomnia have been seen to get benefits from it. https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC7024187/

Countdown begins for the release of 'Jawaan', Shah Rukh Khan shares a bang poster of the film

People have been waiting for Shah Rukh Khan's film Jawan for a long time. Recently its song Zinda Banda was released, which got a lot of love from the audience. Now only 30 days are left for the release of the film. Meanwhile, a new poster of Shahrukh has been released from the film. In this poster, King Khan is seen in a bald avatar. Shahrukh has shared this poster with his fans through his official social media handle. He wrote in the caption, "Am I good or bad... will know in 30 days... are you ready?" Let us tell you that there is a lot of buzz about the film. There is buzz that the actor will be seen in a double role in the film. If media reports are to be believed, Shahrukh will be seen playing the role of both father and son in the film. While Deepika Padukone will play the role of his mother. Many theories are being given by the fans regarding the story of this film, but one will have to wait for a month to get answers to all the questions.

The film is directed by Atlee. Prior to this he has made many Tamil blockbuster films. Talking about the starcast, the film also stars Sanya Malhotra, Priyamani, Girija Oak, Sanjita Bhattacharya, Lehar Khan, Alia Qureshi, Riddhi Dogra, Sunil Grover and Mukesh Chhabra in pivotal roles. 'Jawan' will be released in cinemas worldwide on September 7, 2023, in Hindi, Tamil and Telugu languages. Talking about the work front, Shahrukh Khan's Danki is also ready for release after Jawan. The film is directed by Rajkumar Hirani. This is the first time both the legends have worked together on a project. The film is set to release in the month of December this year. It is believed that this film can make many records at the box office.

Jaya Bachchan had troubled everyone on the set of RARKPK, even Karan Johar was not spared, Anjali Anand opened up

Rocky aur Rani kii prem kahaani Actress Anjali Anand Jaya Bachchan is seen on the big screen these days after a long time. Her recent release Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani is opening well with the audience at the theatres. Meanwhile, Anjali Anand, who is now seen in the film with Jaya Bachchan, has told some interesting things about her. Rocky and Rani's love story is doing great business at the box office. The audience is liking Karan Johar's family drama film. Whereas, now RARKPK actress Anjali Anand talked about the star cast of the film. The most surprising of these, he revealed about Jaya Bachchan. Anjali Anand has played the role of Ranveer Singh's sister Gayatri Randhawa in Rocky and Rani's love story. In the film, he said about Jaya Bachchan that she was the funniest person on the set. In a conversation with Filmgyan, Anjali Anand also told that Jaya used to have a lot of fun during the shooting. Even she did not spare Karan Johar. Jaya Bachchan was like this on the set- Actually, Jaya Bachchan is known for her strict attitude in the media. However, Anjali Anand described him as completely different from his public image. The actress said that Jaya was just like a badass kid on the sets. He also told that Jaya ji does not refuse for photos at all. Feeds everyone - Ajanli Anand said at the beginning of the interview that Jaya Bachchan absolutely refuses for pictures and she has many photographs taken with the actress. She is amazing and very funny. Anjali also told that Jaya Bachchan used to feed everyone on the sets. She used to cook and bring whatever she wanted to eat for Ranveer and him. She makes fun of Karan Johar – Talking about Jaya Bachchan's behavior on the sets of Rocky and Rani's love story, Anjali Anand said that she Used to have a lot of fun on the set. Sometimes she used to make fun of Karan Johar. Sharing an anecdote, Anjali told that once Jaya Bachchan told Karan Johar why are you roaming around as a palm tree, because a palm tree was made on his T-shirt.

The trailer of 'Kushi' will be released on this day, a glimpse of the unique love story of Samantha-Vijay Devarakonda surfaced

Kushi Trailer Vijay Devarakonda and Samantha Ruth Prabhu starrer film Kushi is going to release soon. Fans are eagerly waiting to watch this unique love story. Recently Vijay Devarakonda has announced the trailer release date of Kushi. Also shared a new poster. Know when the trailer will come. Vijay Deverakonda and Samantha Ruth Prabhu are ready to set the big screen on fire with a unique love story. Vijay Devarakonda has announced the release date of the trailer of 'Kushi' in a latest social media post. When will the trailer of Kushi be released? Is. The trailer of 'Kushi' will be released on 9 August 2023. The trailer of the film is of 2 minutes 41 seconds. Sharing the post, Vijay wrote in the caption- "August 9th. 2 min 41 min trailer of Kushi is releasing. Kushi is releasing worldwide in theaters on 1st September."Samantha-Vijay's romantic poster With the trailer release date of 'Kushi', Vijay Devarakonda has shared a romantic poster with Samantha. In the poster, Samantha and Vijay are seen lost in each other's love. This picture gives a glimpse of their lovely love story.

The trailer got U certificate in the censor board- Sometime back Vijay Deverakonda revealed that the trailer of his film has been passed by the censor board. He had said that the trailer of the movie was certified by the censor board without any cuts. The trailer got a U certificate. What is the story of Kushi? - The story of 'Kushi' directed by Shiv Nirvana is based on a very unique love story. Vijay Deverakonda plays an army officer in the film and Samantha will be seen playing the role of a Kashmiri Pandit. The chemistry of Samantha and Vijay was well liked in the teaser and poster. Seeing their chemistry, the fans are eagerly waiting for the film. The movie is releasing on 1st September. Samantha and Vijay's work front - Apart from 'Kushi', Mantha Ruth Prabhu also has web series 'Citadel India'. She will be seen sharing screen space with Varun Dhawan in Russo Brothers' series 'Citadel India'. Talking about Vijay, he is busy shooting for 'VD 12' (VF 12).

Veerappan's mountain of crimes and thrilling balance of human sensibilities

The Hunt For Veerappan Review The list of Veerappan's crimes is so long that everything else doesn't matter in front of him. Nevertheless, this docu-series, through the interview of his wife, shows the side from which little effort has been made to know. The list of crime docu series on Netflix is getting longer and some interesting stories are coming out. The series of crime docu series that Netflix has started is slowly gaining momentum and some such crime stories are coming through this series. are coming to the fore, which shook the entire nation and society. In this sequence, The Hunt for Veerappan docu-series has been released this Friday. Reading the title of the series, it seems that the docu-series will only have an exciting story of years-long rivalry between Veerappan and the security forces, but the docu-series shows a lot more than this. Is. It also brings forth the side of a notorious, cruel and dreaded criminal like Veerappan as seen by those close to him. How did Veerappan have enmity with the police? One can debate the cinematic presentation of a criminal or crime, but the facts cannot be ignored. The docu-series gives some important details about Kuse Muniswamy Veerappan and leaves it to the viewer to decide. The crowning achievement of this docu-series is the interview of Muthulakshmi, Veerappan's wife, whose side has perhaps been revealed in such detail for the first time. The series is divided into four episodes of 46-56 minutes each, called chapters. The first chapter, The Forest King, introduces Veerappan in a way. Shows the story of the spark of his feud with the police. Screwing up a senior police officer backfires and begins the hunt for one of the country's biggest criminals, Veerappan. Veerappan's enmity with the police while smuggling ivory and sandalwood is a big part of the story. The second chapter, Bloodbath, takes forward the story of his hatred of the police and the murder of mangoes from the jungle to the village. The third chapter, The Revolutionary, shows the story of the kidnapping of the famous Kannada star Rajkumar, which worsened the condition of two states. The fourth chapter, The Way Out, is the story of Veerappan's demise. Veerappan was eliminated by a special task force in 2004. Family angle in the crime story - Selvamani Selvaraj, director of the docu-series, has kept the family at the center of this crime story. That aspect has been shown through Veerappan's wife, which no one had the time to see or understand. The mountain of Veerappan's crimes was so huge that even all that could not be seen around it, which should have been seen from the point of view of human sensibilities. Veerappan has been called a wild animal in human form. Police officials say that Veerappan had not taken any training in guerrilla warfare techniques, but had mastered guerrilla warfare. The show showcases the family angle through Muthulakshmi while the adventures of Veerappan's crimes and plans to catch him are presented through interviews with police officers. Original footage and photographs make this series a sight to behold. Veerappan's docu-series, which has been a headache for Tamil Nadu and Karnataka governments, will not disappoint.